

मेरठ जिले के उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तित्व सम्बन्धी गुणों का अध्ययन

डा० नीरज कुमार

असिस्टेंट प्रोफेसर

शिक्षा विभाग

महावीर विश्वविद्यालय, मेरठ।

सारांश

वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विज्ञान, कला एवं वाणिज्य वर्ग के छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तित्व गुणों का अध्ययन करना था। न्यादर्श यादृच्छिक विधि के अन्तर्गत उद्देश्यपूर्ण विधि द्वारा एकत्रित किया गया, जिसमें कुल 150 उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राएं शामिल थीं जिसमें 50 विज्ञान, 50 कला एवं 50 वाणिज्य संकाय की। व्यक्तित्व गुणों के मापन के लिए जोहान, ओ.पी. एवं केंटल, आर.सी. (1991) द्वारा विकसित 'बिग फाइव इन्वेंटरी' का उपयोग किया गया। प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण 'टी' सांख्यिकीय तकनीक द्वारा किया गया। अध्ययन के परिणामों से पता चला कि प्राप्त टी-मूल्य 0.05 के विश्वसनीयता स्तर से कम था अतः पूर्व निर्मित परिकल्पना को अस्वीकार कर दिया गया।

कुंजी शब्द— व्यक्तित्व गुण एवं उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राएँ

प्रस्तावना

किशोरावस्था जीवन का वह चरण है जो अधिकांश व्यक्तियों के लिए बचपन और वयस्कता के बीच एक सेतु का कार्य करता है। यह ऐसा समय होता है जिसमें व्यक्ति गंभीर भावनात्मक उतार-चढ़ाव से गुजरता है, और सामान्यतः यह अवधि 13 से 19 वर्ष की आयु के बीच होती है। इस अवस्था में विद्यालय का महत्व अत्यधिक होता है। विद्यालय न केवल बच्चों के लिए शिक्षा का स्थान होता है, बल्कि यह वह जगह भी है जहाँ वे स्वयं को और अपने आस-पास की दुनिया को समझते हैं। यहाँ वे अपने साथियों और शिक्षकों से सीखते हैं, अनुभव प्राप्त करते हैं और भविष्य के लिए स्वयं को तैयार करते हैं।

भारतीय संदर्भ में 'व्यक्तित्व' एक अत्यंत महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक अवधारणा है। 'व्यक्तित्व' शब्द की उत्पत्ति लैटिन भाषा के शब्द 'Persona' से हुई है। प्रारंभ में यह शब्द प्राचीन रोमन और यूनानी नाटकों में अभिनेताओं द्वारा पहने जाने वाले मुखौटे के लिए प्रयोग किया जाता था, जिससे दर्शकों को यह पता चल सके कि अभिनेता खलनायक का पात्र निभा रहा है या नायक का। यह मुखौटा ही अभिनेता की विशिष्ट पहचान प्रस्तुत करता था। इसी आधार पर कहा जा सकता है कि व्यक्तित्व में वे सभी व्यवहारिक प्रतिमान शामिल होते हैं जो कोई व्यक्ति विभिन्न परिस्थितियों में प्रदर्शित करता है, साथ ही उन व्यवहारों के पीछे कार्यरत उसकी मनोवैज्ञानिक विशेषताएँ भी व्यक्तित्व का हिस्सा होती हैं।

मनोविज्ञान के क्षेत्र में सिगमंड फ्रायड, कार्ल जुंग, कार्ल रोजर्स, अब्राहम मैस्लो और आइजेंक जैसे कई प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिकों ने व्यक्तित्व की परिभाषा दी और इस पर गहन शोध किया। व्यक्तित्व की अवधारणा सामान्यतः समझने में सरल प्रतीत होती है, लेकिन इसकी परिभाषा जटिल हो सकती है।

अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन ने 2017 में व्यक्तित्व को इस प्रकार परिभाषित किया है— ‘व्यक्तित्व, सोचने, महसूस करने और व्यवहार करने के विशिष्ट प्रतिमानों में व्यक्तिगत भिन्नताएँ हैं।’ आधुनिक मनोविज्ञान में व्यक्तित्व का अध्ययन प्रायः ‘बिग फाइव पर्सनैलिटी ट्रेट्स’ के आधार पर किया जाता है। इसे ‘फाइव फैक्टर मॉडल’ या ‘ओशन मॉडल’ भी कहा जाता है। इस मॉडल के अंतर्गत व्यक्तित्व के पाँच प्रमुख आयाम शामिल हैं—

1. नवीनता के प्रति खुलापन— नई सोच, रचनात्मकता और अनुभव ग्रहण करने की प्रवृत्ति।
2. कर्तव्यनिष्ठा— अनुशासन, जिम्मेदारी और कार्य के प्रति समर्पण।
3. बहिर्मुखता— सामाजिकता, आत्मविश्वास और बाहरी वातावरण से ऊर्जा प्राप्त करने की प्रवृत्ति।
4. अनुकूलता— सहयोगी स्वभाव, सहानुभूति और दूसरों के प्रति संवेदनशीलता।
5. भावनात्मक अस्थिरता— चिंता, तनाव और नकारात्मक भावनाओं का अनुभव करने की प्रवृत्ति।

इस प्रकार, व्यक्तित्व केवल बाहरी आचरण का प्रतिबिंब नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति की आंतरिक मानसिक संरचना, अनुभवों, भावनाओं और विचारों का सम्मिलित परिणाम है, जो उसके जीवन के प्रत्येक पहलू को प्रभावित करता है।

प्रस्तुत शोध अध्ययन का महत्व

मेरठ जिले के उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों के व्यक्तित्व संबंधी गुणों का अध्ययन शिक्षा, मनोविज्ञान और समाजशास्त्रकृतीनों ही दृष्टिकोणों से अत्यंत महत्वपूर्ण है। उच्च माध्यमिक स्तर पर छात्र जीवन के उस मोड़ पर होते हैं, जहाँ उनका व्यक्तित्व निर्माण, भविष्य की शिक्षा, करियर चयन और सामाजिक अनुकूलन की दिशा तय करता है। इस स्तर पर व्यक्तित्व गुणों की पहचान और विश्लेषण छात्रों के शैक्षिक, व्यावसायिक तथा व्यक्तिगत विकास के लिए आधार तैयार करता है। यह शोध शिक्षा क्षेत्र में कार्यरत शिक्षकों को यह समझने में सहायता करेगा कि विज्ञान और वाणिज्य जैसे विभिन्न संकायों में अध्ययनरत छात्रों के व्यक्तित्व गुणों में किस प्रकार का अंतर है, और किस प्रकार इन अंतरों को ध्यान में रखते हुए शिक्षण पद्धतियों, परामर्श सेवाओं और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को प्रभावी बनाया जा सकता है।

इसके अतिरिक्त, यह अध्ययन अभिभावकों को भी अपने बच्चों की सोच, भावनाओं और व्यवहार संबंधी प्रवृत्तियों को बेहतर ढंग से समझने का अवसर देगा, जिससे वे घर पर अनुकूल और प्रेरणादायक वातावरण उपलब्ध करा सकें। मनोवैज्ञानिक दृष्टि से, यह शोध परामर्शदाताओं को छात्रों की विशेष आवश्यकताओं की पहचान करने और उनके मानसिक स्वास्थ्य तथा आत्म-विश्वास को मजबूत बनाने में मदद करेगा।

समाजशास्त्रीय दृष्टि से, यह शोध मेरठ जिले के सामाजिक—सांस्कृतिक परिवेश में पनपने वाले छात्रों के व्यक्तित्व पर सामाजिक कारकों के प्रभाव को स्पष्ट करेगा। साथ ही, यह भविष्य में नीति—निर्माताओं और शिक्षा योजनाकारों को छात्रों के व्यक्तित्व विकास हेतु प्रभावी कार्यक्रम बनाने में मार्गदर्शन प्रदान करेगा। अतः यह शोध न केवल शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए, बल्कि छात्रों के सर्वांगीण विकास और समाज में सक्षम, संवेदनशील एवं जिम्मेदार नागरिक तैयार करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रस्तुत शोध अध्ययन की आवश्यकता

उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र जीवन के ऐसे चरण में होते हैं, जहाँ उनकी बौद्धिक, भावनात्मक, सामाजिक और नैतिक क्षमताओं का तीव्र विकास होता है। इस अवस्था में व्यक्तित्व का निर्माण न केवल उनके वर्तमान शैक्षिक प्रदर्शन को प्रभावित करता है, बल्कि उनके भविष्य के करियर, जीवनशैली और समाज में उनके योगदान को भी निर्धारित करता है। मेरठ जिले जैसे विविधतापूर्ण सामाजिक और सांस्कृतिक वातावरण वाले क्षेत्र में छात्रों के व्यक्तित्व गुणों का अध्ययन इस दृष्टि से आवश्यक है कि यहाँ के विद्यार्थियों पर पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक कारकों का अलग—अलग प्रभाव हो सकता है। विज्ञान और वाणिज्य जैसे अलग—अलग संकायों में अध्ययनरत छात्रों के व्यक्तित्व गुणों में अंतर उनके विषय—विशेष की प्रकृति, अध्ययन पद्धति, शिक्षकों के मार्गदर्शन और साथियों के प्रभाव के कारण उत्पन्न हो सकता है। इन अंतरों को पहचानना और समझना शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक है। इसके अलावा, आधुनिक समय में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, तकनीकी प्रगति और बदलते सामाजिक मूल्यों ने छात्रों के व्यक्तित्व विकास की चुनौतियों को और जटिल बना दिया है। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि शोध के माध्यम से छात्रों के व्यक्तित्व गुणों का व्यवस्थित अध्ययन किया जाए, ताकि उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षण, परामर्श और प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किए जा सकें।

अतः यह शोध शिक्षकों, अभिभावकों, परामर्शदाताओं और शिक्षा नीति—निर्माताओं के लिए एक उपयोगी आधार प्रदान करेगा, जिससे वे छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रभावी रणनीतियाँ और अनुकूल वातावरण सुनिश्चित कर सकें।

प्रस्तुत शोध अध्ययन का औचित्य

मेरठ जिले के उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों के व्यक्तित्व संबंधी गुणों का अध्ययन करना आज की शैक्षिक और सामाजिक परिस्थितियों में अत्यंत प्रासंगिक और आवश्यक है। किशोरावस्था वह अवस्था है जिसमें छात्रों का बौद्धिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास तीव्र गति से होता है। इस दौरान उनके व्यक्तित्व का निर्माण उनके भविष्य के जीवन, करियर और सामाजिक व्यवहार की दिशा तय करता है।

मेरठ जिला शैक्षिक, सांस्कृतिक और सामाजिक विविधताओं से परिपूर्ण क्षेत्र है, जहाँ विभिन्न आर्थिक पृष्ठभूमियों, पारिवारिक संरचनाओं और सामाजिक परिवेश से आने वाले विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। इन भिन्नताओं का सीधा प्रभाव छात्रों के व्यक्तित्व गुणों पर पड़ता है। विज्ञान, कला और वाणिज्य संकाय के छात्रों में यह अंतर और

भी स्पष्ट हो सकता है, क्योंकि तीनों संकायों की अध्ययन पद्धति, विषय की प्रकृति और शिक्षण वातावरण अलग-अलग होते हैं।

शोध के माध्यम से इन अंतरों की पहचान करना शिक्षकों को प्रभावी शिक्षण रणनीतियाँ अपनाने, अभिभावकों को बच्चों के व्यक्तित्व विकास में सही दिशा देने, और परामर्शदाताओं को छात्रों की मानसिक व भावनात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करेगा। साथ ही, यह अध्ययन शिक्षा नीति—निर्माताओं को भी विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास हेतु उचित नीतियाँ और कार्यक्रम बनाने में मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

अतः यह शोध न केवल शैक्षिक गुणवत्ता को बढ़ाने में सहायक होगा, बल्कि मेरठ जिले के छात्रों के सर्वांगीण विकास, जीवन कौशल निर्माण और समाज में उनकी सकारात्मक भूमिका सुनिश्चित करने के लिए भी अत्यंत औचित्यपूर्ण है।

समस्या कथन

मेरठ जिले के उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के

व्यक्तित्व सम्बन्धी गुणों का अध्ययन

संचालनात्मक परिभाषाएँ

व्यक्तित्व गुण

व्यक्तित्व गुण से अभिप्राय व्यक्ति के वे स्थायी मानसिक, भावनात्मक और व्यवहारिक लक्षण हैं, जो उसे दूसरों से भिन्न बनाते हैं और विभिन्न परिस्थितियों में उसके आचरण का मार्गदर्शन करते हैं। ये गुण व्यक्ति की सोच, भावनाओं, दृष्टिकोण, आदतों और सामाजिक व्यवहार का सम्मिलित परिणाम होते हैं। व्यक्तित्व गुण जन्मजात भी हो सकते हैं और जीवन के अनुभवों, शिक्षा, परिवेश तथा सामाजिक संपर्क से विकसित भी होते हैं।

मनोविज्ञान में व्यक्तित्व गुणों को मापने और वर्गीकृत करने के लिए अनेक सिद्धांत प्रस्तुत किए गए हैं, जिनमें 'बिग फाइव पर्सनैलिटी ट्रेट्स' विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं।

इनके अतिरिक्त, ईमानदारी, नेतृत्व क्षमता, आत्म-नियंत्रण, धैर्य, साहस, सहनशीलता और सृजनात्मकता जैसे गुण भी व्यक्तित्व को विशिष्ट बनाते हैं। व्यक्तित्व गुणों का अध्ययन व्यक्ति के शैक्षिक प्रदर्शन, सामाजिक संबंधों और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उसकी सफलता को समझने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है।

प्रस्तुत शोध अध्ययन के उद्देश्य

अध्ययन के मुख्य उद्देश्य निम्नवत् हैं—

1. उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तित्व गुणों का अध्ययन करना।
 - 1.1- उच्च माध्यमिक स्तर के विज्ञान संकाय के छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तित्व गुणों का अध्ययन करना।
 - 1.2- उच्च माध्यमिक स्तर के कला विज्ञान संकाय के छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तित्व गुणों का अध्ययन करना।
 - 1.3- उच्च माध्यमिक स्तर के वाणिज्य संकाय के छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तित्व गुणों का अध्ययन करना।

प्रस्तुत शोध अध्ययन की परिकल्पनायें

अध्ययन के उद्देश्यों से संबंधित परिकल्पनायें निम्नवत् हैं—

- 1- उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तित्व गुणों में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
- 1.1 उच्च माध्यमिक स्तर के विज्ञान संकाय के छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तित्व गुणों में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
- 1.2 उच्च माध्यमिक स्तर के कला विज्ञान संकाय के छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तित्व गुणों में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
- 1.3 उच्च माध्यमिक स्तर के वाणिज्य संकाय के छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तित्व गुणों में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

सम्बन्धित साहित्य की समीक्षा

लामा, एम. अलक्वैसी (2024) द्वारा किए गए अध्ययन का उद्देश्य 'छात्रों के व्यक्तित्व के प्रकारों का पता लगाना तथा व्यक्तित्व प्रकार, भविष्य संबंधी चिंता और उपलब्धियों के मध्य संबंध ज्ञात करना' था। अध्ययन का न्यादर्श ताफिला तकनीकी विश्वविद्यालय और अल—हुसैन बिन तलाल विश्वविद्यालय के 304 छात्रों पर आधारित था। शोधकर्ताओं ने कोस्टा और मैक्रे (1992) द्वारा विकसित तथा अल—अंसारी (1997) द्वारा अनुकूलित 'बिग फाइव स्केल' का उपयोग किया। परिणामों से पता चला कि छात्रों में सबसे प्रमुख व्यक्तित्व गुण 'कर्तव्यनिष्ठा' था, जबकि सबसे कम प्रचलित गुण 'स्नायु—विकारिता' था। सहमतता व्यक्तित्व गुण में लिंग के आधार पर सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर पाया गया, जो महिला छात्रों के पक्ष में था। भविष्य संबंधी चिंता का स्तर मध्यम पाया गया और यह बहिर्मुखता, अनुभव के प्रति खुलापन, सहमतता तथा कर्तव्यनिष्ठा के साथ नकारात्मक सहसंबंधित था, जबकि स्नायु—विकारिता के साथ सकारात्मक सहसंबंधित था। अंततः, अध्ययन में यह भी पाया गया कि शैक्षिक उपलब्धियों में महिला छात्रों के पक्ष में सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर था, जबकि लिंग के आधार पर भविष्य संबंधी चिंता के औसत में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया। साही (2023) ने एक अध्ययन किया जिसका उद्देश्य 'विश्वविद्यालय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धियों पर व्यक्तिगत गुणों और मनोवैज्ञानिक अनुकूलता का प्रभाव' का पता लगाना था। इस अध्ययन में 400 छात्रों को नमूने के रूप में शामिल किया गया। शैक्षिक उपलब्धि पर लिंग और व्यक्तित्व गुणों (बहिर्मुखता एवं कर्तव्यनिष्ठा) का प्रभाव देखा गया। परिणामों से पता चला कि व्यक्तित्व के गुण लिंग के अनुसार भिन्न होते हैं महिला छात्राएं पुरुषों की तुलना में अधिक चिंताग्रस्त (नर्वस) थीं, जबकि अन्य गुण समान पाए गए। अध्ययन में यह भी पाया गया कि मनोवैज्ञानिक अनुकूलता में लिंग के आधार पर अंतर मौजूद था।

जावेर (2022) ने 'अल—अजहर और अल—अक्सा विश्वविद्यालय के छात्रों में बिग फाइव फैक्टर्स का भविष्य संबंधी चिंता पर प्रभाव' जानने के लिए एक अध्ययन किया। इस अध्ययन में कुल 800 छात्रों को नमूने के रूप में शामिल किया गया। शोध के परिणामों से यह स्पष्ट हुआ कि स्नायु—विकारिता और भविष्य संबंधी चिंता के बीच सकारात्मक सहसंबंध मौजूद है, अर्थात् जिन छात्रों में स्नायु—विकारिता का स्तर अधिक था, उनमें भविष्य को लेकर चिंता का स्तर भी अधिक पाया गया। अध्ययन में यह भी पाया गया कि छात्रों के

व्यक्तिगत गुणों में अंतर उनके संकाय या शैक्षिक स्तर से प्रभावित नहीं था। हालांकि, सामाजिक स्वीकृतता के संदर्भ में महत्वपूर्ण अंतर देखा गया, जो मानविकी संकाय के पक्ष में था।

मेखलाफी (2020) ने अपने अध्ययन का उद्देश्य 'शैक्षणिक आत्म-प्रभावकारिता और व्यक्तिगत गुणों के बीच संबंध की पहचान' करना रखा। इस शोध में कुल 110 छात्रों को नमूने के रूप में शामिल किया गया। अध्ययन के परिणामों से यह पता चला कि शैक्षणिक आत्म-प्रभावकारिता और कुछ व्यक्तिगत गुणों के बीच सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण सहसंबंध मौजूद है। लिंग के आधार पर व्यक्तित्व गुणों जैसे—सामंजस्य, स्थिरता और भावनात्मकता में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया। हालांकि, 'सैवी' अर्थात चतुर एवं समझदार व्यक्तित्व गुण के संदर्भ में अंतर सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण था, जो महिला छात्रों के पक्ष में पाया गया।

साइमा (2020) ने अपने अध्ययन का उद्देश्य 'मनोवैज्ञानिक अनुकूलन और व्यक्तित्व गुणों जैसे आत्मविश्वास, कठोरता, आक्रामकता, आत्म-सम्मान, प्रसन्नता, स्वतंत्रता, नियंत्रण और जिम्मेदारी के बीच संबंध' की जांच करना रखा। इस शोध में गाजा पट्टी से यादृच्छिक रूप से चुने गए 108 पुरुष और 92 महिला प्रतिभागियों को शामिल किया गया। परिणामों से पता चला कि आत्म-सम्मान, स्वतंत्रता और नियंत्रण जैसे व्यक्तित्व गुणों में आयु के आधार पर सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर था, जो 65 वर्ष से कम आयु वाले समूह के पक्ष में पाया गया। इसके अतिरिक्त, आत्म-सम्मान, स्वतंत्रता और प्रसन्नता जैसे व्यक्तित्व गुणों में वैवाहिक स्थिति के आधार पर भी महत्वपूर्ण अंतर देखा गया, जो विवाहित समूह के पक्ष में था।

प्रस्तुत शोध की शोध विधि

शोध अध्ययन में वर्णनात्मक शोध विधि का उपयोग किया गया है।

प्रस्तुत शोध का प्रारूप

वर्तमान शोध का उद्देश्य उच्चतर माध्यमिक छात्रों के व्यक्तित्व गुणों का अध्ययन करना था। इसके लिए मेरठ जिले के कुल 150 उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों को न्यादर्श के रूप में लिया गया, जिसमें 50 विज्ञान, 50 कला और 50 वाणिज्य संकाय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को शामिल किया गया है। यहां व्यक्तित्व गुणों को मापने के लिए उपयुक्त मापदंडों का उपयोग किया गया। यह न्यादर्श उद्देश्यपूर्ण न्यादर्श विधि के माध्यम से एकत्र किया गया है।

प्रस्तुत शोध अध्ययन के चर

स्वतंत्र चर

- विज्ञान वर्ग के छात्र एवं छात्रायें
- कला वर्ग के छात्र एवं छात्रायें
- वाणिज्य वर्ग के छात्र एवं छात्रायें

आश्रित चर

- व्यक्तित्व गुण

प्रस्तुत शोध अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण

इस उद्देश्य के लिए, संबंधित मैनुअल में उल्लिखित उनकी विश्वसनीयता, वैधता और वस्तुनिष्ठता के साथ निम्नलिखित परीक्षण उपकरणों पर विचार किया गया। वर्तमान अध्ययन में एक प्रश्नावली का उपयोग किया गया।

• बिग फाइव इन्वेंटरी

बिग फाइव इन्वेंटरी का विकास जोहान, और केंटल, आर.सी. (1991) द्वारा किया गया था। इस इन्वेंटरी में कुल 44 मदें शामिल हैं, जिनमें 5 वैकल्पिक उत्तर होते हैं— ‘पूर्णतः सहमत’, ‘सहमत’, ‘अनिश्चित’, ‘असहमत’ और ‘पूर्णतः असहमत’। प्रत्येक उत्तर को 5—बिंदु पैमाने पर अंकित किया जाता है। इस प्रश्नावली की विश्वसनीयता 0.83 पाई गई है तथा इसकी वैधता उच्च स्तर की है।

सांख्यिकीय तकनीक एवं विधियाँ

सांख्यिकीय तकनीक से एकत्रित जानकारी को मध्यमान, मानक विचलन एवं (टी—परीक्षण) की गणना करके उपयुक्त सांख्यिकीय विश्लेषण के लिए रखा गया था। उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मध्य व्यक्तित्व गुणों के विवरण को समझने के लिए आंकड़ों का विश्लेषण, मध्यमान, मानक विचलन एवं ‘टी—अनुपात’ की गणना की गई है।

आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या

परिकल्पना—1.

उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तित्व गुणों में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका— 1

उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तित्व गुणों की तुलना

चर	न्यादर्श	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी—मूल्य	सार्थकता स्तर
व्यक्तित्व गुण	छात्र	75	54.53	6.63	1.07	असार्थक
	छात्रायें	75	53.36	6.80		

तालिका संख्या 1 के अन्तर्गत उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं की तुलना की गयी है। उपरोक्त तालिका में उच्च मध्यमान 54.53 जो छात्रों का है तथा निम्न मध्यमान 53.36 जो कि छात्राओं का है। प्रस्तुत तालिका में सांख्यिकीय गणना द्वारा प्राप्त स्वतन्त्रता के अंश 148 पर ‘टी’ परीक्षण का मूल्य 1.07 है जबकि 0.05 सार्थकता के स्तर पर तालिका का मान 1.96 है। सांख्यिकीय गणना से प्राप्त ‘टी’ का मान तालिका के मान से तुलनात्मक रूप में निम्न है। अतः इस परीक्षण परिणाम में उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तित्व गुणों की तुलना करने पर सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। अतः प्राप्त निष्कर्ष के आधार पर शून्य परिकल्पना (H_0) ‘उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तित्व गुणों में कोई सार्थक अंतर नहीं है।’ स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना—1.1

उच्च माध्यमिक स्तर के विज्ञान संकाय के छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तित्व गुणों में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका— 2

उच्च माध्यमिक स्तर के विज्ञान संकाय के छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तित्व गुणों की तुलना

चर	न्यादर्श	संख्या	मध्यमान	क विचलन	t-मूल्य	सार्थकता स्तर
व्यक्तित्व गुण	छात्र	25	18.22	2.11	1.40	असार्थक
	छात्रायें	25	17.36	2.23		

तालिका संख्या 2 के अन्तर्गत उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में अध्ययनरत विज्ञान संकाय के छात्र एवं छात्राओं की तुलना की गयी है। उपरोक्त तालिका में उच्च मध्यमान 18.22 जो छात्रों का है तथा निम्न मध्यमान 17.36 जोकि छात्राओं का है। प्रस्तुत तालिका में सांख्यिकीय गणना द्वारा प्राप्त स्वतन्त्रता के अंश 48 पर 'टी' परीक्षण का मूल्य 1.40 है जबकि 0.05 सार्थकता के स्तर पर तालिका का मान 1.96 है। सांख्यिकीय गणना से प्राप्त 'टी' का मान तालिका के मान से तुलनात्मक रूप में निम्न है। अतः इस परीक्षण परिणाम में उच्च माध्यमिक स्तर के विज्ञान संकाय के छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तित्व गुणों की तुलना करने पर सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। अतः प्राप्त निष्कर्ष के आधार पर शून्य परिकल्पना (H_0 1.1) 'उच्च माध्यमिक स्तर के विज्ञान संकाय के छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तित्व गुणों में कोई सार्थक अंतर नहीं है।' स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना—1.2

उच्च माध्यमिक स्तर के कला संकाय के छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तित्व गुणों में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका— 3

उच्च माध्यमिक स्तर के कला संकाय के छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तित्व गुणों की तुलना

चर	न्यादर्श	संख्या	मध्यमान	क विचलन	t-मूल्य	सार्थकता स्तर
व्यक्तित्व गुण	छात्र	25	18.95	2.29	1.43	असार्थक
	छात्रायें	25	18.02	2.32		

तालिका संख्या 3 के अन्तर्गत उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में अध्ययनरत कला संकाय के छात्र एवं छात्राओं की तुलना की गयी है। उपरोक्त तालिका में उच्च मध्यमान 18.95 जो छात्रों का है तथा निम्न मध्यमान 18.02 जोकि छात्राओं का है। प्रस्तुत तालिका में सांख्यिकीय गणना द्वारा प्राप्त स्वतन्त्रता के अंश 48 पर 'टी' परीक्षण का मूल्य 1.43 है जबकि 0.05 सार्थकता के स्तर पर तालिका का मान 1.96 है। सांख्यिकीय गणना से प्राप्त 'टी' का मान तालिका के मान से तुलनात्मक रूप में निम्न है। अतः इस परीक्षण परिणाम में उच्च माध्यमिक स्तर के कला संकाय के छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तित्व गुणों की तुलना करने पर सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। अतः प्राप्त निष्कर्ष के आधार पर शून्य परिकल्पना (H_0 1.2) 'उच्च माध्यमिक स्तर के कला संकाय के छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तित्व गुणों में कोई सार्थक अंतर नहीं है।' स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना—1.3

उच्च माध्यमिक स्तर के विज्ञान संकाय के छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तित्व गुणों में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका— 4**उच्च माध्यमिक स्तर के वाणिज्य संकाय के छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तित्व गुणों की तुलना**

चर	न्यादर्श	संख्या	मध्यमान	क विचलन	त-मूल्य	सार्थकता स्तर
व्यक्तित्व गुण	छात्र	25	17.36	2.23	0.98	असार्थक
	छात्रायें	25	17.98	2.25		

तालिका संख्या 4 के अन्तर्गत उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में अध्ययनरत वाणिज्य संकाय के छात्र एवं छात्राओं की तुलना की गयी है। उपरोक्त तालिका में उच्च मध्यमान 17.36 जो छात्रों का है तथा निम्न मध्यमान 17.98 जोकि छात्राओं का है। प्रस्तुत तालिका में सांख्यिकीय गणना द्वारा प्राप्त स्वतन्त्रता के अंश 48 पर 'टी' परीक्षण का मूल्य 0.98 है जबकि 0.05 सार्थकता के स्तर पर तालिका का मान 1.96 है। सांख्यिकीय गणना से प्राप्त 'टी' का मान तालिका के मान से तुलनात्मक रूप में निम्न है। अतः इस परीक्षण परिणाम में उच्च माध्यमिक स्तर के वाणिज्य संकाय के छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तित्व गुणों की तुलना करने पर सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। अतः प्राप्त निष्कर्ष के आधार पर शून्य परिकल्पना (H_0 1.3) 'उच्च माध्यमिक स्तर के वाणिज्य संकाय के छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तित्व गुणों में कोई सार्थक अंतर नहीं है।' स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष—

प्रस्तुत शोध के आंकड़ों का विश्लेषण में पाया गया कि उच्च माध्यमिक स्तर के विज्ञान, कला एवं वाणिज्य वर्ग के छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तित्व गुणों में कोई अन्तर नहीं पाया गया।

प्रस्तुत शोध के शैक्षिक निहितार्थ

मेरठ जिले के उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तित्व सम्बन्धी गुणों के अध्ययन के शैक्षिक निहितार्थ इस प्रकार हैंकृयह अध्ययन शिक्षकों, अभिभावकों और शैक्षिक प्रशासकों के लिए उपयोगी दिशा—निर्देश प्रदान करता है, जिससे वे छात्रों की व्यक्तिगत विशेषताओं को समझकर उनके सर्वांगीण विकास के लिए उपयुक्त शिक्षण रणनीतियां अपना सकें। व्यक्तित्व गुणों की जानकारी से शिक्षक कक्षा में भिन्न—भिन्न शिक्षण विधियों का प्रयोग कर सकते हैं, ताकि अंतर्मुखी, बहिर्मुखी, कर्तव्यनिष्ठ, रचनात्मक और संवेदनशील छात्रों की आवश्यकताओं के अनुरूप सीखने का वातावरण बनाया जा सके। अभिभावक भी इन गुणों को ध्यान में रखते हुए बच्चों के भावनात्मक, सामाजिक और बौद्धिक विकास में सकारात्मक योगदान दे सकते हैं। इसके अतिरिक्त, यह अध्ययन शिक्षा—नीति निर्माताओं को ऐसे कार्यक्रम और सह—पाठ्यक्रम गतिविधियां विकसित करने में मदद करता है, जो छात्रों में आत्मविश्वास, सहयोग, जिम्मेदारी और नेतृत्व क्षमता जैसे सकारात्मक व्यक्तित्व गुणों को प्रोत्साहित करें। इस प्रकार, यह शोध न केवल शैक्षणिक उपलब्धियों में सुधार लाने में सहायक है, बल्कि विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास और उनके जीवन कौशलों को भी सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सन्दर्भग्रन्थ सूची

- अबू नजेलाह, एस. (2001) 'व्यक्तित्व में लेख और मानसिक स्वास्थ्य' गाजा— मानव अनुसंधान और सामाजिक विकास केंद्र।
- अलाममी, ए. (2010) 'आशावाद और निराशावाद और भविष्य के साथ इसका संबंध' मास्टर थीसिस, ओपन अरब अकादमी, डैनमार्क।
- लामा, एम. अलक्वैसी (2017) 'छात्रों के व्यक्तित्व के प्रकारों का पता लगाना तथा व्यक्तित्व प्रकार, भविष्य संबंधी चिंता और उपलब्धियों के मध्य संबंध ज्ञात करना' आई मैनेजर्स जर्नल ऑफ एजुकेशनल साइकोलॉजी, वॉल्यूम—10, अंक—3
- जावेर (2022) 'अल—अजहर और अल—अक्सा विश्वविद्यालय के छात्रों में बिग फाइव फैक्टर्स का भविष्य संबंधी चिंता पर प्रभाव' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च ग्रैथलैया, आई.एस.एस.एन.—2350-0530, वॉल्यूम 4, अंक—5
- मेखलाफी (2020) 'शैक्षणिक आत्म—प्रभावकारिता और व्यक्तिगत गुणों के बीच संबंध की पहचान' जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन, वॉल्यूम—44, इश्यू—4
- साही (2023) 'विश्वविद्यालय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धियों पर व्यक्तिगत गुणों और मनोवैज्ञानिक अनुकूलता का प्रभाव' बैकग्राउंड, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशन एंड रिसर्च, आई.एस. एस.एन.—2455-4588, वॉल्यूम 2, अंक—6
- साइमा (2020) 'मनोवैज्ञानिक अनुकूलन और व्यक्तित्व गुणों जैसे आत्मविश्वास, कट्टरता, आक्रामकता, आत्म—सम्मान, प्रसन्नता, स्वतंत्रता, नियंत्रण और जिम्मेदारी के बीच संबंध, जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन, वॉल्यूम—44, इश्यू—3